सं को बिव /यमुना | 95-86 | 28181. — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं विदेशन इजिनियरज (यमुना गैसिज यूनिट सरदाना नगर) प्रम्वाला रोड़, जगाधरी, के श्रीमक श्री राम कमल, पुत्र श्री जय प्रकाश, मार्फत डा॰ सुरेन्द्र कुमार शर्मा, एन्टक ग्राफिस ब्राहमण धर्मशाला, रेलवे रोड़, जगाधरी तथा उसके प्रवन्त्रकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई भीदोगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्विष्ट करना वाछंनीय समझते हैं;

इसलिए, ग्रंब, भौद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारर (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रिधिसूचना सं० 3(44) 84-3-श्रम, दिनांक 18 श्रप्रैल, 1984, द्वारा उक्त श्रिधिनियम की धारा 7 के श्रधीन गठित श्रम न्यायालम, श्रम्बाला, को विश्वादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायांनर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं, जोकि उन्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विधादग्रस्त मामला है, या विवाद से सुसंगत श्रथवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री राम कमल की सेवाश्रों समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदिनहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

## दिनांक 31 जुलाई, 1986

सं श्रो वि । यमुना | 10 1 | 86 | 272 82 -- चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं डैन्सन इंजिनियरज (यमुना गैसिज यूनिट, सरदाना नगर), प्रम्वाला रोड़, जगाधरी, के श्रीमक श्री जसमेर सिंह, पुत श्री दाता राम मार्फत डा. सुरेन्द्र कुमार शर्मा इन्टक ग्रोफिस वराह्मण धर्मशाला, रेलवें रोड़, जगाधरी तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामलें में कोई श्रोद्योगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेनु निर्दिख्ट करना वाछनीय समझते हैं;

इस लिये, अब, श्रौद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रिष्ठसूचना सं० 3(44) 84-3-श्रम, दिनांक 18 अप्रैल, 1984 द्वारा उक्त धिसूचना की धारा 7 के श्रधीन गठित श्रम न्यायालय, श्रम्बाला, को विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट, तीन मास में देने हेतू निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री जसमेर सिंह की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ओ० वि०/यमुना/104/86/27288.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० डन्सन इंजिनियरज (यमुना गैंसिज यूनिट, सरदाना नगर), श्रम्बाला रोड़, जगाधरी के श्रीमिक श्री तीर्थ सिंह, पुत्र श्री जसवंत सिंह, मार्फत डा० सुरेन्द्र कुमार शर्मा, इन्टक श्राफिस वराह्मण धर्मशाला, रेलवे रोड़, जगाधरी तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रोद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इस लिये, अब, श्रीद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा, (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं 3(44)84-3-श्रम, दिनांक 18 अप्रैल, 1984 द्वारा उक्त अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, श्रम्बाला, को विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री तीर्घ सिंह की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो बह किस राहत का हकदार है ?